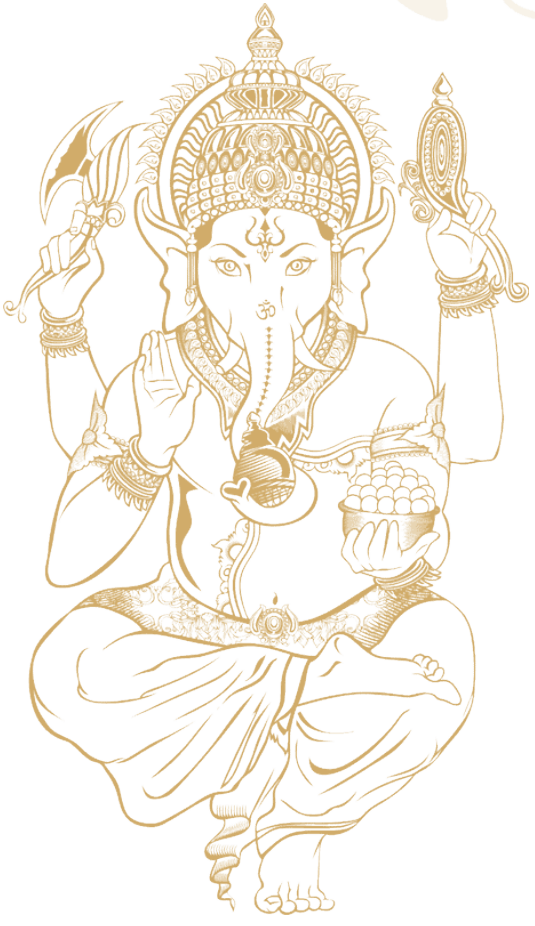

Mr.nitin patel

10 Dec 1977

04:00 AM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119028702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/12/1977**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:37:25 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:31:36 घंटे
वेलान्तर	00:07:42 घंटे
साम्पातिक काल	08:45:47 घंटे
सूर्योदय	06:57:02 घंटे
सूर्यास्त	17:44:23 घंटे
दिनमान	10:47:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:12:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:16:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	चतुष्पाद
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:16:08	322:27:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	24:12:07	01:01:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	12:51:55	15:14:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कर्क	17:57:26	00:02:15	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध			धनु	13:30:51	00:20:54	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	09:15:57	00:07:39	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	13:49:18	01:15:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			सिंह	06:59:48	00:00:10	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	19:32:31	00:08:43	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	19:32:31	00:08:43	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	20:40:49	00:03:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	22:22:45	00:02:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
प्लूटो			कन्या	22:40:34	00:01:22	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	15:27:48	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:59

लग्न-चलित

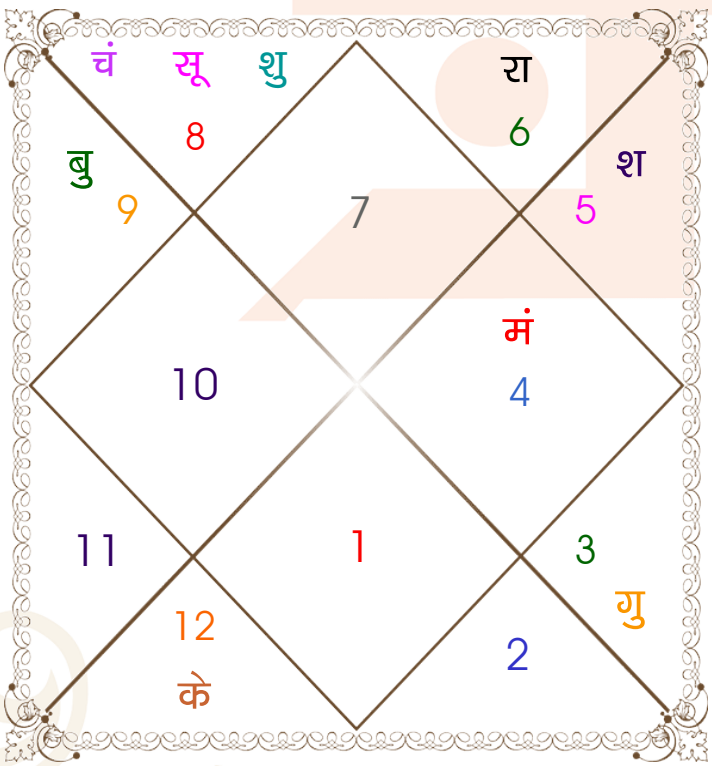

चन्द्र कुंडली

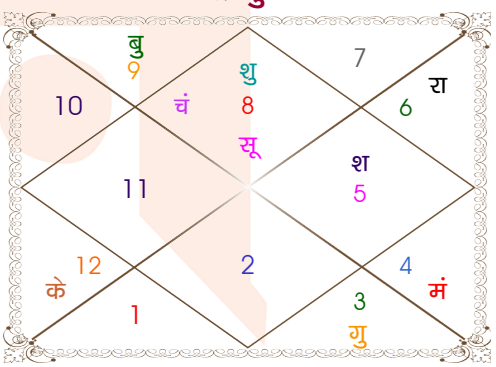

नवमांश कुंडली

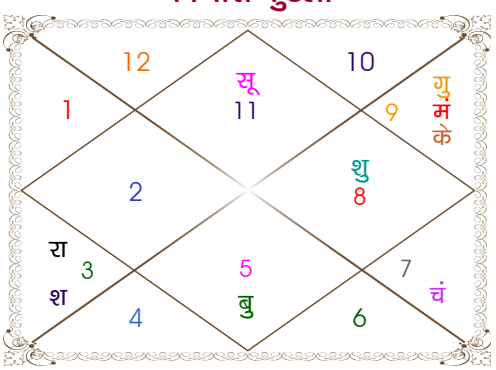

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 5 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/12/1977		11/05/1983		11/05/2000		11/05/2007		11/05/2027	
11/05/1983		11/05/2000		11/05/2007		11/05/2027		11/05/2033	
	00/00/0000	बुध	07/10/1985	केतु	07/10/2000	शुक्र	10/09/2010	सूर्य	29/08/2027
	00/00/0000	केतु	04/10/1986	शुक्र	07/12/2001	सूर्य	10/09/2011	चंद्र	27/02/2028
	00/00/0000	शुक्र	04/08/1989	सूर्य	14/04/2002	चंद्र	11/05/2013	मंगल	04/07/2028
	00/00/0000	सूर्य	10/06/1990	चंद्र	13/11/2002	मंगल	11/07/2014	राहु	29/05/2029
	00/00/0000	चंद्र	10/11/1991	मंगल	11/04/2003	राहु	11/07/2017	गुरु	17/03/2030
	10/12/1977	मंगल	06/11/1992	राहु	28/04/2004	गुरु	11/03/2020	शनि	27/02/2031
मंगल	22/12/1977	राहु	26/05/1995	गुरु	04/04/2005	शनि	11/05/2023	बुध	04/01/2032
राहु	28/10/1980	गुरु	31/08/1997	शनि	14/05/2006	बुध	11/03/2026	केतु	11/05/2032
गुरु	11/05/1983	शनि	11/05/2000	बुध	11/05/2007	केतु	11/05/2027	शुक्र	11/05/2033

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/05/2033		11/05/2043		11/05/2050		11/05/2068		11/05/2084	
11/05/2043		11/05/2050		11/05/2068		11/05/2084		00/00/0000	
चंद्र	11/03/2034	मंगल	07/10/2043	राहु	21/01/2053	गुरु	29/06/2070	शनि	14/05/2087
मंगल	10/10/2034	राहु	25/10/2044	गुरु	17/06/2055	शनि	09/01/2073	बुध	21/01/2090
राहु	10/04/2036	गुरु	01/10/2045	शनि	23/04/2058	बुध	17/04/2075	केतु	02/03/2091
गुरु	10/08/2037	शनि	10/11/2046	बुध	09/11/2060	केतु	23/03/2076	शुक्र	02/05/2094
शनि	11/03/2039	बुध	07/11/2047	केतु	28/11/2061	शुक्र	22/11/2078	सूर्य	14/04/2095
बुध	10/08/2040	केतु	04/04/2048	शुक्र	27/11/2064	सूर्य	10/09/2079	चंद्र	12/11/2096
केतु	11/03/2041	शुक्र	04/06/2049	सूर्य	22/10/2065	चंद्र	09/01/2081	मंगल	10/12/2097
शुक्र	10/11/2042	सूर्य	10/10/2049	चंद्र	23/04/2067	मंगल	16/12/2081		00/00/0000
सूर्य	11/05/2043	चंद्र	11/05/2050	मंगल	11/05/2068	राहु	11/05/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।